

राग- मारवा

थाट – मारवा

स्वर – रे कोमल मं तीव्र

वर्ज स्वर – प

जाती – षाडव- षाडव

वादी स्वर – रे

संवादी स्वर – ध

गायनसमय – सायंकालीन

समप्रकृतीक राग – पुरया

आरोह – नि रे ग मं ध नि ध सां

अवरोह – रे नि ध मं ग रे सा

पकड – ध मं ग रे, ग मं ग रे, सा